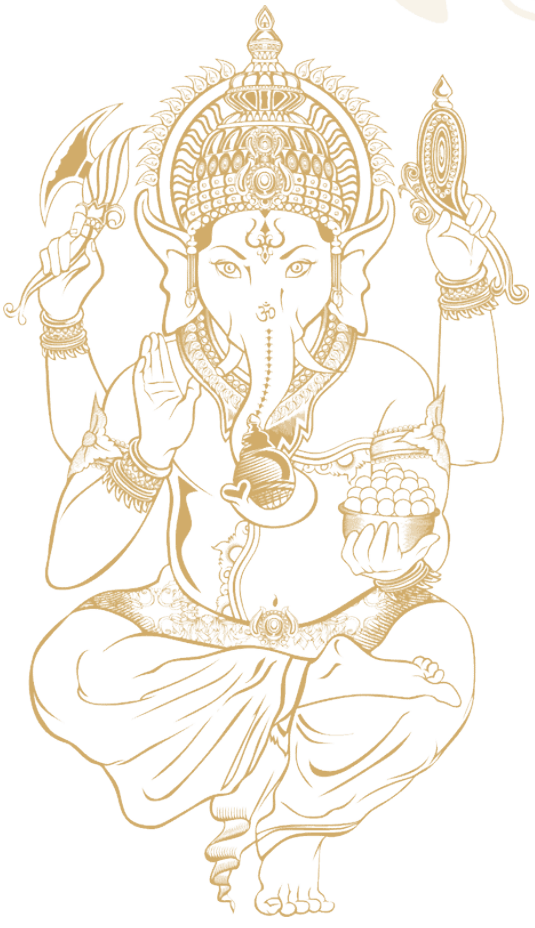

Saman Gitanshu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121392901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121392901 Date: 25/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/04/1993	जन्म तिथि	10/08/1995
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	12:25:00 घंटे
घटी 33:59:07	जन्म समय(घटी)	16:12:45 घटी
India	देश	India
Jalalabad	स्थान	Firozpur
30:36:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
74:17:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:52	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:21	सूर्योदय	05:53:59
19:07:32	सूर्यास्त	19:19:15
23:46:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:55

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	श्रवण
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	3
अतिगण्ड	योग	सौभाग्य
बव	करण	विष्टि
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	वानर
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 5मा 10दि		18:09:10	तुला	लग्न	तुला	16:10:32	चन्द्र 4वर्ष 9मा 17दि	
गुरु		12:34:35	मेष	सूर्य	कर्क	23:23:59	गुरु	
06/10/2011		05:49:14	मिथु	चंद्र	मक	16:56:05	28/05/2025	
06/10/2027		05:34:02	कर्क	मंगल	कन्या	18:14:59	28/05/2041	
गुरु	23/11/2013	23:01:29	मीन	बुध	सिंह	06:42:20	गुरु	16/07/2027
शनि	06/06/2016	12:49:14	कन्या व	गुरु	वृश्चि	11:49:13	शनि	27/01/2030
बुध	11/09/2018	10:16:41	मीन	शुक्र	कर्क	20:26:55	बुध	03/05/2032
केतु	18/08/2019	04:58:28	कुंभ	शनि व	कुंभ	29:58:38	केतु	09/04/2033
शुक्र	18/04/2022	18:48:07	वृश्चि	राहु व	तुला	05:31:02	शुक्र	09/12/2035
सूर्य	05/02/2023	18:48:07	वृष	केतु व	मेष	05:31:02	सूर्य	27/09/2036
चन्द्र	06/06/2024	28:25:25	धनु व	हर्ष व	मक	03:56:00	चन्द्र	27/01/2038
मंगल	12/05/2025	27:22:52	धनु व	नेप व	धनु	29:44:08	मंगल	02/01/2039
राहु	06/10/2027	00:52:23	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:01:07	राहु	28/05/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:55

लग्न-चलित

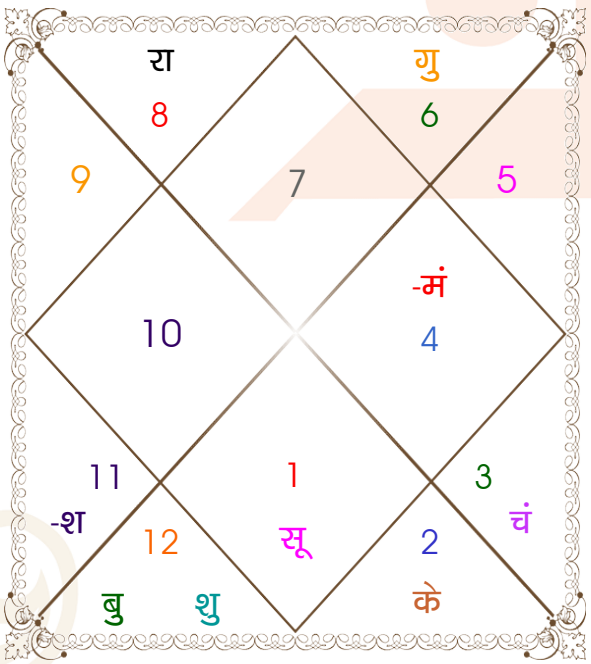

लग्न-चलित

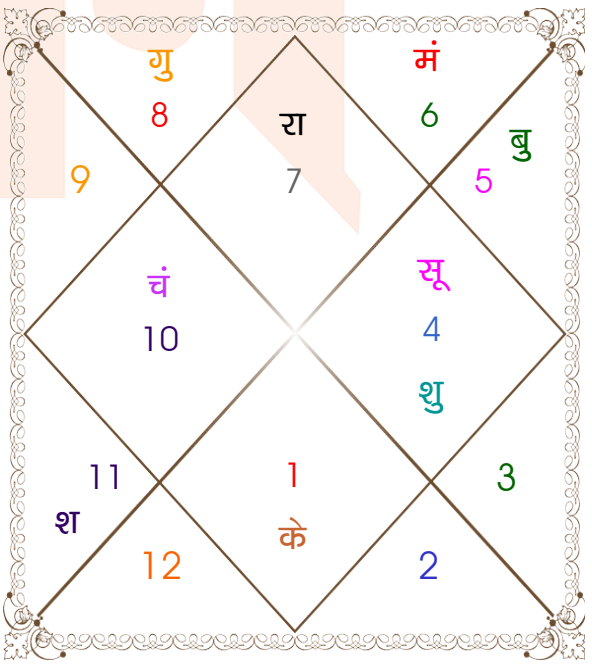

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

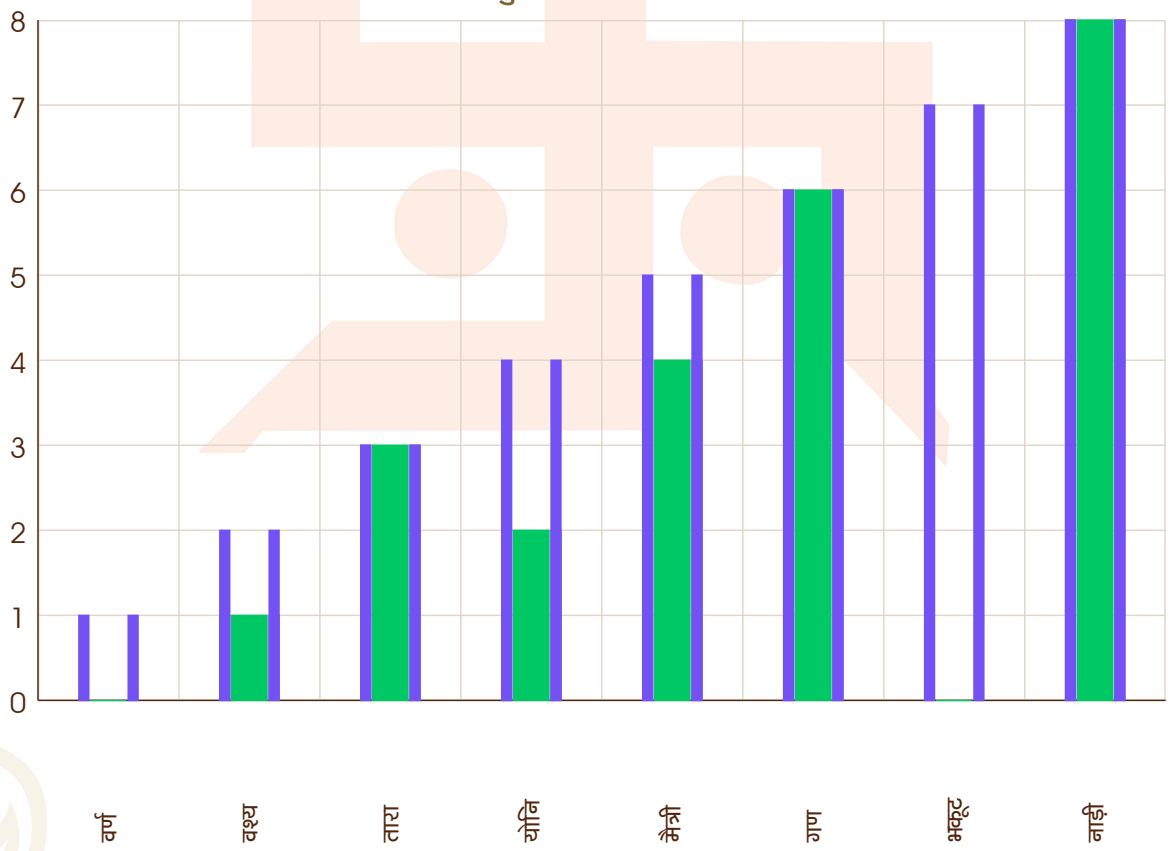

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Saman का वर्ग मार्जार है तथा Gitanshu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Saman और Gitanshu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Saman मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Gitanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Gitanshu कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Saman तथा Gitanshu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Saman का वर्ण शूद्र है तथा Gitanshu का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Gitanshu का वर्ण Saman के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Gitanshu अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Gitanshu अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Saman का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Gitanshu का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Saman एवं Gitanshu दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Saman Gitanshu पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Saman हमेश Gitanshu के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Saman की तारा सम्पत तथा Gitanshu की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Saman एवं Gitanshu दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Gitanshu एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Saman की योनि सर्प है तथा Gitanshu की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Saman का राशि स्वामी Gitanshu के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Gitanshu का राशिस्वामी Saman के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Saman का गण देव तथा Gitanshu का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Saman से Gitanshu की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Gitanshu से Saman की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Saman एवं Gitanshu दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Saman शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Gitanshu बिल्कुल

लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Saman की नाड़ी मध्य है तथा Gitanshu की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Saman एवं Gitanshu के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Saman की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Gitanshu की राशि भूमितत्व युक्त मकर राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु और भूमि तत्व में असमानता के कारण Saman ओर Gitanshu के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। साथ ही मतभेदों में भी प्रबलता रहेगी जिससे संबंधों मे तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नही रहेगा।

Saman की जन्मराशि का स्वामी बुध तथा Gitanshu की जन्मराशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र एवं समभाव मे पड़ते है अतः सम्बंधों में सामंजस्य स्थापित करके मधुरता में वृद्धि करने के लिए स्थिति सामान्यता अच्छी रहेगी। ऐसी स्थिति मे जहाँ Gitanshu का भाव उदासीनता युक्त रहेगा वहाँ Saman पूर्ण सक्रियता से सुख शान्ति की वृद्धि में अपना सहयोग प्रदान करेगे।

Saman और Gitanshu की राशियं परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इससे Saman और Gitanshu के परस्पर सम्बंधो मे अनावश्यक तनाव एवं कटुता रहेगी तथा वाद विवाद में भी इनका समय व्यतीत होगा उनमें मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी भिन्नता होगी जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में न्यूनता रहेगी अतः यदि Saman और Gitanshu सहनशीलता और बुद्धिमता का पालन करें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

Saman का वश्य मानव तथा Gitanshu का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता के भाव के कारण Saman और Gitanshu के स्वभाव तथा अभिरूचियों में स्वाभाविक अन्तर रहेगा फलतः एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न रखने मे असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा।

Saman का वर्ण शुद्र तथा Gitanshu का वर्ण वैश्य है। अतः Saman किसी भी कार्य को करने में ईमानदारी तथा परिश्रम की प्रवृति रखेंगे वहीं Gitanshu किसी भी कार्य को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगी तथा धनार्जन के कार्यो में तत्पर रहेंगी।

धन

Saman की तारा सम्पत तथा Gitanshu की तारा अतिमित्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग नित्य प्रशस्त रहेंगे। भकूट का इनकी आर्थिक स्थिति पर कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन Saman पर मंगल के दुष्प्रभाव के कारण आर्थिक क्षेत्र में यदा कदा व्यवधान या विषमता की स्थिति आ सकती है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

Saman एक धनाढ्य तथा भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा Gitanshu के शुभ प्रभाव से धन वृद्धि में तत्पर रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से Gitanshu की प्रवृति यदा कदा अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा व्यर्थ के विलासमय वस्तुओं पर मुक्त भाव से व्यय करेंगी। अतः Gitanshu को चाहिए कि ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें।

स्वास्थ्य

Saman की नाड़ी मध्य तथा Gitanshu की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Saman का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Saman को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Saman और Gitanshu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Saman और Gitanshu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Gitanshu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Gitanshu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Gitanshu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Saman और Gitanshu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Saman और Gitanshu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Gitanshu के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Gitanshu यत्नपूर्वक

सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Gitanshu को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Gitanshu को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Saman के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Saman के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Saman के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Saman भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।